शिष्यता के अनिवार्य तत्व

अध्याय अनिवार्यताएँ

कलीसिया और आराधना

अध्याय 1: एक साथ एकत्रित होना: कौन, क्या, कहाँ?

जब आप कहते हैं कि आप 'एक कलीसिया के हैं' तो उसका क्या अर्थ है? क्या आपका मतलब यह है कि धार्मिक रीतियों को पूरा करने के लिए आप सप्ताह में एक बार किसी इमारत में जाते हैं या आपका मतलब इससे कहीं अधिक है? परमेश्वर का वचन हमें सिखाता है कि कलीसिया या मसीह की देह वास्तव में मसीह के अनुयायी हैं, न कि वह भवन जहाँ वे इकट्ठे होते हैं।

यदि मसीह के सच्चे अनुयायी मिलकर सार्वभौमिक कलीसिया को बनाते हैं, तो क्या विश्वासियों की प्रत्येक सभा एक कलीसिया सभा है? एक 'सच्ची कलीसिया' क्या है और जब वे विश्वासी इकट्ठे होते हैं तो उन्हें क्या करना चाहिए?

मत्ती 18:20 में लिखा है: "क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहाँ मैं उन के बीच में होता हूँ।"

मत्ती के सुसमाचार में एक अद्भुत वचन है जिसका अत्यधिक उल्लेख किया गया है जो यीशु के अनुयायियों के एकत्रित होने के बारे में बताता है। मत्ती 18:20 में लिखा है: "क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहाँ मैं उन के बीच में होता हूँ।" पकड़े रखने के लिए कितना बड़ा वायदा है! जब यीशु के केवल कुछ ही अनुयायी इकट्ठे होते हैं तो उसकी उपस्थिति उनके साथ होती है!

परन्तु क्या इस छोटे झुण्ड को हम 'कलीसिया' कह सकते हैं? ऐसा क्या है जो एक सच्ची कलीसिया के झुण्ड को परिभाषित करता है?

ऐसा क्या है जो एक सच्ची कलीसिया के झुण्ड को परिभाषित करता है?

निश्चित रूप से यह इस पर निर्भर नहीं हो सकता है कि कितने लोग एकत्रित हो रहे हैं या किस प्रकार के भवन में वे एकत्रित हो रहे हैं। और निश्चित रूप से हम यह अनुमान भी नहीं लगा सकते हैं कि मसीह के अनुयायियों का प्रत्येक झुण्ड 'कलीसिया' है अन्यथा एक पारिवारिक भोज भी कलीसिया होगा और एक मसीही व्यवसाय की स्टाफ मीटिंग भी कलीसिया होगी।

निश्चित रूप से यह इस पर निर्भर नहीं हो सकता है कि कितने लोग एकत्रित हो रहे हैं या किस प्रकार के भवन में वे एकत्रित हो रहे हैं। और निश्चित रूप से हम यह अनुमान भी नहीं लगा सकते हैं कि मसीह के अनुयायियों का प्रत्येक झुण्ड 'कलीसिया' है अन्यथा एक पारिवारिक भोज भी कलीसिया होगा और एक मसीही व्यवसाय की स्टाफ मीटिंग भी कलीसिया होगी। ऐतिहासिक रूप से 'सच्ची कलीसिया' का एक वर्णन, एक परिभाषा दी गई है। सामान्य रूप से स्वीकृत निम्नलिखित प्रमाण एक सच्ची कलीसिया की निशानियों के रूप में उपस्थित होने चाहिए–सुसमाचार का शुद्ध प्रचार, रस्मों का शुद्ध प्रशासन, और धर्मशास्त्रीय कलीसियाई अनुशासन। इन तीन चिन्हों को स्पष्ट करने के लिए संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि सच्ची कलीसिया परमेश्वर के वचन द्वारा शासित विश्वासियों की एक देह है, जो परमेश्वर के वचन के अनुसार कार्य करती है न कि मानवीय बुद्धि के अनुसार।

संभवतः एक झूठी कलीसिया पर विचार करने के द्वारा सच्ची कलीसिया को पहचानना अधिक सहायक होगा। ऐतिहासिक विश्वास वचन, बेल्जिक अंगीकार कहता है, "झूठी कलीसिया परमेश्वर के वचन की बजाय अपने आप को और अपनी प्रथाओं को अधिक ताकत एवं अधिकार देती है और परमेश्वर के जूए के अधीन नहीं रहती। न ही यह रस्मों को मसीह द्वारा उसके वचन में बताए गए तरीके से मानती है बल्कि उसे उचित लगता है वह उसमें कुछ जोड़ती है या घटाती है; मसीह की बजाय मनुष्यों पर अधिक निर्भर रहती है और उन लोगों को सताती है जो परमेश्वर के वचन के अनुसार पवित्र जीवन बिताते हैं और उसकी त्रुटियों, लोभ और मूर्तिपूजा के लिए उसे झिड़कते हैं।" (बीसी, आर्ट. 29)

इसके अतिरिक्त, पवित्रशास्त्र को जाँचना और यह देखना सहायक है कि पहली कलीसिया (प्रेरितों के काम की पुस्तक की कलीसिया) कैसे कार्य करती थी। उनके एकत्रित होने के कुछ विवरण उनकी परिस्थितियों और स्थान विशेष से जुड़े थे परन्तु फिर भी यह विचार करना सहायक है कि वे एक कलीसिया के रूप में किस प्रकार एक साथ समय व्यतीत करते थे और किस प्रकार वे एक साथ सेवा करते थे।

1. वे सप्ताह के पहले दिन– रविवार को एकत्रित होते थे। (प्रेरितों 20:7; 1 कुरिन्थियों 16:1–2)
2. वे परमेश्वर का वचन पढ़ते और सिखाते थे। (प्रेरितों 11:25–57; प्रेरितों 17:11; प्रेरितों 2:42)
3. वे प्रभु भोज में भाग लेते थे। (1 कुरिन्थियों 11:17–33)
4. वे गीत गाते थे। (कुलुस्सियों 3:16; इफिसियों 5:19)
5. वे प्रार्थना करते थे। (प्रेरितों 1:14; प्रेरितों 12:5; प्रेरितों 12:12)
6. कलीसिया के कार्य के लिए जो उन्हें देना थो वे उसे देते थे। (प्रेरितों 2:44–45; प्रेरितों 4:32–35)
7. वे अपने आत्मिक वरदानों का प्रयोग करते थे। (1 कुरिन्थियों 12:24–26; रोमियों 12:4–5)
8. वे जरूरमन्दों की सहायता करते थे। (प्रेरितों 6:1–6; प्रेरितों 2:45; प्रेरितों 4:34; 1 तिमुथियुस 5:16)
9. वे सुसमाचार सुनाते थे। (2 कुरिन्थियों 8:18; प्रेरितों 5:42; 2 कुरिन्थियों 10:15–16)

जब आप विश्वासियों के उस समूह के बारे में सोचते हैं जिससे आप जुड़े हैं तो देखें कि आप सच्ची कलीसिया के इन चिन्हों और आरम्भिक कलीसिया के उदाहरणों को अपनी कलीसिया के जीवन में कैसे लागू कर सकते हैं।

हो सकता है आपके लिए और आपके आस–पास के दूसरे विश्वासियों के लिए सप्ताह के पहले दिन एकत्रित होना असंभव हो परन्तु फिर भी यह निर्णायक है कि आप जहाँ तक संभव हो नियमित रूप से एक साथ संगति करें। इसकी भी संभावना है कि जरूरतमन्दों की सहायता करने के साथ कलीसिया की सभा सप्ताह में एक बार से कहीं ज्यादा हो जाए। फिर भी, यह कलीसिया का कार्य है कि वह शब्दों के साथ–साथ कलीसियाई देह के अन्दर और बाहर के लोगों की देखभाल के कार्यों के साथ सुसमाचार का प्रचार करे।

जब आप विश्वासियों के उस समूह के बारे में सोचते हैं जिससे आप जुड़े हैं तो देखें कि आप सच्ची कलीसिया के इन चिन्हों और आरम्भिक कलीसिया के उदाहरणों को अपनी कलीसिया के जीवन में कैसे लागू कर सकते हैं।

दुर्भाग्यवश, परमेश्वर का वचन भी हमें सिखाता है कि प्रत्येक कलीसियाई मण्डली में 'भेड़ें' (सच्चे विश्वासी) और 'भेड़िए' (जो सच्चे विश्वासी नहीं हैं) होते हैं। बहुत बार हम पहचान नहीं पाते कि कौन क्या है। प्रभु का धन्यवाद हो कि हम इस बात से निश्चिन्त हो सकते हैं कि प्रभु, हमारा अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों को जानता है। (यूहन्ना 10) वह उन्हें जानता है जो उसके हैं और जो उसके नहीं है उनसे वह उनके छल का हिसाब लेगा। इस बीच, हमें यह जानना चाहिए कि परमेश्वर का वचन शुद्ध सुसमाचार के प्रचार, रस्मों के बारे में और कलीसियाई अनुशासन के बारे में क्या कहता है और हमें ऐसे व्यक्ति बनने का प्रयास करना चाहिए जो हमारे बीच में संभावित 'भेड़ियों' के बावजूद पूरे दिल से परमेश्वर के उपदेशों के अनुसार चलने और उसके अनुग्रह से प्रेरणा पाने का प्रयास करते हैं।

अन्ततः, उसकी कलीसिया की निश्चितता में एक बड़ी आशा और शान्ति है। हमारे प्रभु का शत्रु चाहे किसी भी बात से हमें निराश करने का प्रयास करे, चाहे सताव

उसकी कलीसिया की निश्चितता में एक बड़ी आशा और शान्ति है। हमारे प्रभु का शत्रु चाहे किसी भी बात से हमें निराश करने का प्रयास करे, चाहे सताव या तनाव हो, हमारा प्रभु यीशु कहता है कि वह क्रूस पर अपनी विजय की चट्टान पर अपनी कलीसिया को बनाएगा और अधोलोक की सारी ताकतें उस पर प्रबल नहीं हो पाएँगी। (मत्ती 16:18)

या तनाव हो, हमारा प्रभु यीशु कहता है कि वह क्रूस पर अपनी विजय की चट्टान पर अपनी कलीसिया को बनाएगा और अधोलोक की सारी ताकतें उस पर प्रबल नहीं हो पाएँगी। (मत्ती 16:18) हमारे प्रभु की अनन्त कलीसिया सुरक्षित हैं! आनन्दित मनाएँ!

एक नजर में

- सच्ची कलीसिया की निशानियाँ– सुसमाचार का शुद्ध प्रचार, रस्मों का शुद्ध प्रशासन, और धर्मशास्त्रीय कलीसियाई अनुशासन।

- सच्ची कलीसिया विश्वासियों की वह देह है जो परमेश्वर के वचन से शासित होती है और परमेश्वर के वचन के अनुसार कार्य करती है।

- प्रभु यीशु अच्छा चरवाहा है जो अपनी भेड़ों को जानता है; यानि, वह जानता है कि कौन उसकी सच्ची कलीसिया है और हमारे बीच के 'भेड़ियों' से धोखा नहीं खाएगा।

- प्रभु यीशु ने क्रूस पर अपने कार्य की अटल नींव पर अपनी कलीसिया को बनाया है और कुछ भी उसे हिला नहीं सकता!

आपका विचार

- कुछ समय विश्वासियों के उस झुण्ड के बारे में विचार करें जिसके आप एक हिस्से हैं। क्या आप एक सच्ची कलीसिया की तरह कार्य कर रहे हैं? क्या आप उन तरीकों की पहचान कर सकते हैं जिनके कारण आप एक सच्ची कलीसिया के रूप में कार्य करने में असफल हो रहे हैं? यह जानने की बुद्धि पाने के लिए प्रार्थना करें कि एक सच्ची कलीसिया के चिन्हों को कैसे लागू किया जाए और उस पर कार्य करें।

- परमेश्वर की 'भेड़ों' पर आक्रमण करने वाले 'भेड़िए' कौन हैं? आपकी कलीसिया किन खतरों का सामना करती है? प्रार्थना करें कि प्रभु आपकी कलीसिया को 'भेड़ियों' से बचाए। प्रार्थना करें कि एक साथ मिलकर सुसमाचार का प्रसार करने के लिए पूर्ण दिल और समान मन वाले मसीह के अनुयायी आपकी कलीसिया में शामिल हों।

- कलीसिया को सुरक्षित रखने के लिए यीशु क्या करेगा? हम उसके अचूक प्रेम और सुरक्षा में भरोसा क्यों कर सकते हैं? सार्वभौमिक कलीसिया की सुदृढ़ नींव में आनन्दित हों: क्रूस पर मसीह का पूर्ण कार्य हमारा निश्चय और हमारा मनोबल है। उसकी विजय के लिए उसकी स्तुति करें जो हमें उसकी देह, कलीसिया के रूप में जीने और सेवा करने में हमें समर्थ बनाती है।

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing